पाठयोजना संख्या: 1

विद्यालय का नाम: सर्वोदय कन्या उच्चतर माध्यामिक विद्यालय नई दिल्ली

कक्षा: ९ **विषय:** हिन्दी (गद्य) **कालांश:** १

दिनांक:5/4/2020 **प्रकरण:** नाना साहब की पुत्री **अवधि:** ३० मिनट

<u>सामान्य उद्देश्य :</u>

१. विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना |
२. विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना |
३. विद्यार्थियों में शुद्ध उच्चारण क्षमता की प्रवृति को विकसित करना |
४. विद्यार्थियों को विभिन्न कौशलों को विकसित करना (श्रवण, वाचन, लेखन, पठन) |
५. विद्यार्थियों को सृजनशील (रचनात्मक) बनाने का प्रयत्न करना |

<u>विशिष्ठ उद्देश्य :</u>

१. विधार्थी नाना साहब एवं उनकी पुत्री के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |
२. विधार्थी १८५७ की क्रांति के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
३. विधार्थी अंग्रेजों द्वारा नाना साहब की पुत्री पर किये गये अत्यचार की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |
४. विधार्थी नाना साहब की पुत्री देवी मैनावती के आत्मविश्वास से प्रेरित हो सकेंगे |

<u>सहायक सामग्री :</u>

अनिवार्य सामग्री : श्यामपट्ट / श्वेतपट्ट, श्वेतवर्तिका, झाड़न, संकेतिका, पाठ्यपुस्तक विशिष्ठ सामग्री : चार्ट, मॉडल, वास्तविक प्रतिदर्श इत्यादि

<u>शिक्षण विधियाँ</u>: व्याख्यान विधि, प्रश्नोत्तरविधि, आगमन-निगमन विधि, प्रदर्शन-विधि

<u>पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न</u>:

प्र.१: क्या आप नाना साहब के नाम से परिचित हैं ?

उत्तर: जी हाँ (संभावित उत्तर)

प्र.२: क्या आप विद्रोह का मतलब समझते हैं ?

उत्तर: किसी के कार्य और योजनाओं का विरोद्ध करना | (संभावित उत्तर)

प्र.३: १८५७ ईसवी के विद्रोह में नाना साहब के साथ क्या घटना घटित हुई | (**समस्यात्मक प्रश्न**)

उत्तर: अधिकांश विधार्थी निरुत्तर रहेंगे |

<u>उद्देश्य कथन :</u>

आज हम 'चपलादेवी' द्वारा रचित 'नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया' नामक पाठ का अध्ययन करेंगे |

<u>प्रस्तुतीकरण</u>

शिक्षण बिन्दु	**छात्र अध्यापक/छात्र अध्यापिका क्रिया**	**छात्र क्रिया**	**सहायकसामग्री, शिक्षण विधि. श्यामपट्ट कार्य**	**मुल्यांकन**
प्रस्तावना	**<u>आदर्शवाचन</u>** (छात्राध्यापक-अध्यापिका पाठ के एक अशं का लय, स्वर-ताल, आरोह-अवरोह एवं व्याकरणादि चिन्हों के साथ आदर्शवाचन करेंगे)|सन १८५७ ईसवी के प्रथम ..... वे सब बातें भूल गए |	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे |	पाठ्यपुस्तक व्याख्यान विधि	

	छात्र अध्यापिका, छात्रों को पढ़ाए गए पाठ का अनुकरण वाचन करने का निर्देश देंगी ।			
	अध्यापिका, अनुकरणवाचन का निर्देश देकर स्वयं कक्षा का निरिक्षण करेगी ।	**<u>अनुकरणवाचन</u>** छात्र-निर्देशानुसार पढ़ाए गए गद्यांश का अनुकरण वाचन करेंगे । सन १८५७ ईसवी के प्रथम ..... वे सब बातें भूल गए ।	पाठ्य पुस्तक व्याख्यान विधि	
काठिन्य-निवारण	छात्र-अध्यापिकापढाए गए गद्यांश में से कठिन शब्दों का चयन करके श्यामपट्ट पर लिखेगी । छात्र-अध्यापिका श्यामपट्ट कार्य को उत्तरपुस्तिका में उतारने का निर्देश देकर स्वयं कक्षा का निरीक्षण करेगी ।	छात्र ध्यानपूर्वक देखेंगे तथा श्यामपट्ट पर लिखे गए शब्दों का सरलार्थ करने में योग दान देंगे । छात्र श्यामपट्ट कार्य को उत्तरपुस्तिका में उतारेंगे ।	श्यामपट्ट, संकेतिका, श्वेतवर्तिका, झाड़न, पाठ्यपुस्तक, आगमन-निगमन विधि **<u>काठिन्य-निवारण</u>** **शब्द - अर्थ** क्रूरता -निर्दयता दमन करना -दबाना निरीह - लाचार अल्पवयस्क-कमआयु द्रवीभूत-पिघलना	

शिक्षण बिन्दु	**छात्र अध्यापक/छात्र अध्यापिका क्रिया**	**छात्र क्रिया**	**सहायक-सामग्री/ शिक्षण-विधि/ श्यामपट्ट कार्य**	**मुल्यांकन**
विचार-विश्लेषण	छात्र-अध्यापिका पढाए गए गद्यांश में से विचार विश्लेषण के आधार पर प्रश्न पूछेंगी |	छात्र योग्यता अनुसार उत्तर देंगे |	पाठ्यपुस्तक प्रश्नोत्तर विधि	नाना साहब का महल किस शहर में था ? नाना साहब की पुत्री का नाम क्या था ?
पाठ का विस्तार	**<u>आदर्शवाचन</u>** (छात्राध्यापक-अध्यापिका पाठ के एक अशं का लय, स्वर-ताल, आरोह-अवरोह एवं व्याकरणादि चिन्हों के साथ आदर्शवाचन करेंगे)| सेनापति हे ..... कुछ नहीं हो सकता | छात्र अध्यापिका, छात्रों को पढ़ाए गए पाठ का अनुकरण वाचन करने का निर्देश देंगी|	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे |	पाठ्य पुस्तक व्याख्यान विधि	

	छात्र अध्यापिका, अनुकरणवाचन का निर्देश देकर स्वयं कक्षा का निरिक्षण करेगी |	**<u>अनुकरणवाचन</u>** छात्र-निर्देशानुसार पढ़ाए गए गद्यांश का अनुकरण वाचन करेंगे |सेनापति हे ..... कुछ नहीं हो सकता |	पाठ्य पुस्तक व्याख्यान विधि	
काठिन्य-निवारण	छात्र-अध्यापिका पढाए गए गद्यांश में से कठिन शब्दों का चयन करके श्यामपट्ट पर लिखेगी | छात्र-अध्यापिका श्यामपट्ट कार्य को उत्तरपुस्तिका में उतारने का निर्देश देकर स्वयं कक्षा का निरीक्षण करेगी |	छात्र ध्यानपूर्वक देखेंगे तथा श्यामपट्ट पर लिखे गए शब्दों का सरलार्थ करने में योग दान देंगे | छात्र श्यामपट्ट कार्य को उत्तरपुस्तिका में उतारेंगे |	श्यामपट्ट, संकेतिका, श्वेतवर्तिका, झाड़न, पाठ्यपुस्तक, आगमन-निगमन विधि **<u>काठिन्य-निवारण</u>** **शब्द - अर्थ** वास स्थान - घर विध्वंस -नष्ट करना फ़िक्र - चिंता पार्लियामेंट - संसद दुर्दांत - भयानक	
विचार-संश्लेषण	छात्र-अध्यापिका पढाए गए गद्यांश में से विचार संश्लेषण के आधार पर प्रश्न पूछेंगी |	छात्र योग्यता अनुसार उत्तर देंगे |	पाठ्यपुस्तक प्रश्नोत्तर विधि	नाना साहब की पुत्री का

				संघर्ष किसके विरुद्ध था ? मैनावती को भस्म किसने किया ?

<u>पुनरावृत्ति प्रश्न</u>

(संकेत - पुनरावृत्ति में वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाने अपेक्षित हैं)

प्र.१. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये -

क. नाना साहब सन _____ के विद्रोह में असफल हो गये |

ख. सर थॉमस के _____ पर दया भाव के क्या कारण थे |

प्र.२. सही/गलत को चिहिन्त कीजिये -

क. संहार शब्द का अर्थ क़त्ल करना होता है [ ]

ख. ब्रिटिश सरकार को पाषाण हृदय कहा जाता है [ ]

प्र.३. मिलान कीजिये -

क. नाना साहब - पुत्री

ख. मैनावती - अंग्रेज ऑफिसर

ग. सर थॉमस - क्रांति

घ. १८५७ - पिता

गृहकार्य

(संकेत - गृहकार्य में रचनात्मक एवं निबंधात्मक प्रश्नों का समावेश अपेक्षित है)

प्र.१. मैनावती के समकक्ष अन्य भारतीय वीरांगना के विषय में दस पंक्तियाँ लिखकर लाइए |

प्र.२. १८५७ की क्रांति को अपने शब्दों में लिखित रूप से उद्धरित कीजिये |

पर्यवेक्षक टिप्पणी

_____

_____

_____

_____

_____